

में खुले बाजार में तथा अन्य पड़ोसी राज्यों में अनाज के मूल्य इन मूल्यों का तुलना में कम हैं ; और

(ग) यदि हाँ, तो राशन के अनाज के दामों में वृद्धि करने के क्या कारण हैं ?

साध, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्डे) : (क) जी हाँ। दिल्ली में राशन की दुकानों से दिये जाने वाले आयातित गेहूँ तथा कुछ किस्मों के चावल के निर्गम मूल्य 3 जनवरी, 1968 से बढ़ा दिये गये हैं।

(ख) राशन के खाद्यान्नों अर्थात् गेहूँ और चावल के खुले बाजार के भाव दिल्ली में राशन की दुकानों से बेचे जाने वाले देसी गेहूँ और चावल के विक्री मूल्यों की तुलना में इस समय पंजाब और हरियाणा राज्यों में अपेक्षाकृत कम हैं और उत्तर प्रदेश तथा मध्य प्रदेश राज्य के कुछ भागों में ऊँचे हैं ;

(ग) दिल्ली में राशन के खाद्यान्नों अर्थात् आयातित गेहूँ तथा चावल के निर्गम मूल्यों में बढ़ोतरी केन्द्रीय भण्डार से सभी राज्य सरकारों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों को दिये जाने वाले इन खाद्यान्नों के निर्गम मूल्यों में जनवरी 1968 से सामान्य वृद्धि के अनुसार की गयी थी।

EXPORT OF PULSES OUT OF M.P.

80. SHRI MANIBHAI J. PATEL:
SHRI LILADHAR KOTOKI:
SHRI SHRI GOPAL SABOO:
SHRI BENI SHANKER
SHARMA:

Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have issued certain directions to the Railway authorities to allow

export of pulses out of Madhya Pradesh without seeking the permission of the State Government;

(b) whether such directions also exist in the case of other States;

(c) whether the Madhya Pradesh Government have protested against these orders; and

(d) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNA-SAHIB SHINDE) (a) and (b). The accepted policy of free movement of pulses and the legal position about ban on its movement in the country was pointed out to the Railway authorities.

(c) and (d). Some time ago, the Government of Madhya Pradesh proposed to ban export of pulses out of the State which could not be agreed to. However, the proposal of the State Government to ban movement of teora besan was agreed to.

चीनी के मूल्य

*82. श्री राजवन्तार शर्मा : क्या साध तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सब है कि नियंत्रित चीनी के मूल्य और खुले बाजार में विकने वाले चीनी के मूल्य में अन्तर के कारण विदेशों में सरकार की आलाचना की गई है ; और

(ख) यदि हाँ, तो सरकार की इन पर क्या प्रतिक्रिया है ?

साध, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्डे) : (क) सरकार के नोटिस में ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं आई है।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता।